an>

Title: Need to take necessary steps for bringing back the persons of Indian origin from African Nationas affected by Ebola Virus.

श्री पी.पी.चौधरी (पाली) : आदरणीय सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका प्रदान किया है। पश्चिमी अफ्रीकी देशों में "इबोला' नामक महामारी फैल रही है। हमारे देश के लोगों के मन में भी इस प्रकार की गंभीर बीमारी को ले कर भय बैठ गया है। "इबोला' को संसार का सबसे घातक वायरस माना जा रहा है जिसके इलाज और टीके की खोज अभी तक नहीं की जा सकी है। यूनिसेफ द्वारा भी कहा जा चुका है कि संक्रमण से दूर रहने के अतिरिक्त "इबोला' जैसी घातक बीमारी को मिटाने या रोकने का कोई इलाज नहीं है। अपुष्ट सूचनाओं के अनुसार, अब तक कुछ हजार लोगों की मौत हो चुकी है। मैं सदन को बताना चाहूंगा कि पश्चिमी अफ्रीकी देशों में भारतीय मूल के लगभग 45 हजार लोग मौजूद हैं, जो इस भयानक बीमारी के बीच में फंसे हैं। वे भारतीय लोग अपने वतन आना चाहते हैं, लेकिन उनके सामने कुछ समस्याएं हैं। डब्ल्यू.एच.ओ. की चेतावनी के बाद लगभग सभी विमानन कंपनियों द्वारा इन देशों में हवाई यात्रा अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई है। इसके अलावा, जिन कंपनियों में भारतीय लोग काम कर रहे हैं, वे कंपनियां उन्हें पासपोर्ट नहीं लौटा रही हैं, ऐसी स्थिति में उनके पास इस भयानक बीमारी से मरने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है।

अतः मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध की "इबोला' वायरस से प्रभावित देशों से भारतीय मूल के लोगों को संक्रमण से बचाने से संबंधित आवश्यक कदम जल्द से जल्द उठाए जाएं।